सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति
संख्या–cm-189
14/04/2017

बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर के संविधान के अनुरूप चलना चाहते हैं, हम बापू के सपनों का भारत बनाना चाहते हैं :– मुख्यमंत्री

पटना, 14 अप्रैल 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में भारत रत्न डॉ0 भीमराव अंबेडकर के 126वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं समारोह में उपस्थित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। आयोजित समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले मैं बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर की 126वीं जयंती पर उन्हें नमन करता हूँ तथा इस अवसर पर आप सबको शुभकामनायें देता हूँ। उन्होंने कहा कि जदयू के तीनों प्रकोष्ठों ने मिलकर इतना शानदार आयोजन किया है, इसके लिये मैं सभी को विशेष तौर पर बधाई देता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया, उस समय समाज में छुआछुत हावी था। उस समय बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर एक दलित परिवार में पैदा होकर भी उच्च शिक्षा प्राप्त की। कदम–कदम पर उन्हें कठिनाइयॉ झेलनी पड़ी लेकिन सभी कठिनाइयों को झेलते हुये उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की, एक नहीं अनेक विषयों में पी0एच0डी0 एवं डिलिट आदि की उपाधी हासिल की, सिर्फ कानून के क्षेत्र में नहीं विभिन्न क्षेत्रों में उन्होंने विशेष शिक्षा प्राप्त की, यह अविश्वसनीय उदाहरण है। बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर ने समाज को एक नई दिशा देने में अपने शिक्षा का उपयोग किया और हमेशा जो दलित, शोषित, वंचित समाज है, जो अपने देश में वर्ण व्यवस्था के शिकार रहे हैं, उन सभी तबकों को उन्होंने जगाया। एक ही नारा उन्होंने दिया 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष' करो। आज भी यह नारा प्रासंगिक हैं। जब तक लोग शिक्षित नहीं बनेंगे, तब तक अपने अधिकार के प्रति जागरूक नहीं होंगे। जब तक संगठित नहीं होंगे, अपनी आवाज बुलंद नहीं कर पायेंगे और जब तक संघर्ष नहीं करेंगे, अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में कामयाब नहीं होंगे। बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर का जीवन एक ज्वलंत उदाहरण है। बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर ने पढ़ाई कर एक ऊँचाई को हासिल किया। संविधान बनाने के समय सभी नेता थे, पर सभी ने बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर को ड्राफ्ट कमिटी का चेयरमैन बनाया। इतना ही नहीं संविधान सभा में बहस के दौरान बाबा साहेब ने एक–एक चीज को सभी के सामने रखा इसलिये उन्हें संविधान का निर्माता कहा जाता है। उनमें इतनी क्षमता और योग्यता थी। उन्होंने कहा कि छुआछुत के कारण वंचित समाज के कितने लोग क्षमता रखते हुये पीछे रह गये। अगर सब लोगों को समान अवसर मिले तो समाज का ज्ञान कितना बढ़ेगा ? कितने लोग सामने आयेंगे। आज कुछ लोगों को भ्रम होता है कि वही सब जानते हैं, वही काबिल हैं, वही विद्वान हैं। ज्ञान, काबिलियत तो किसी के अंदर हो सकती है। हर इंसान में भगवान का वास है। बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर ने इसे प्रमाणित किया था। सभी को आगे बढ़ने का अवसर मिले

इसलिये संविधान में विशेष अवसर के सिद्धांत को अपनाया गया। संविधान में यह प्रावधान किया गया कि जो सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े हैं, वैसे लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिये, उन्हें अवसर देने के लिये, सम्मान देने के लिये आरक्षण लागू किया गया। उन्होंने कहा कि हमें बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर के सिद्धांत तथा उनका नारा को अपनाना चाहिये। शिक्षित बनो, इसके लिये सभी को पढ़ना चाहिये, संगठित होना चाहिये ताकि अपनी आवाज को बुलंद कर सके और हमेशा आगे बढ़ने के लिये संघर्ष करना चाहिये। इस देश में सामाजिक न्याय के बुनियाद संविधान के कारण ही पड़ी है। हमलोग उसी रास्ते पर चलने की कोशिश कर रहे हैं। हमने बिहार में इसी सिद्धांत को अपनाया है, न्याय के साथ विकास। ऐसा विकास जिसमें सभी की भागीदारी हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी ने भी कहा था कि विकास का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को मिले। इसे देखते हुये ही नीति निर्धारण होना चाहिये, हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत यही है और उसी के आधार पर हमलोग आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। समाज के जितने भी वंचित तबके के लोग हैं, चाहे दलित समाज के हो या दलित समाज में भी हाशिये पर हैं महादलित समाज के हों, पिछड़ा वर्ग के हों, अति पिछड़ा वर्ग के हों, महिलाओं के लिये हमने विशेष नीति बनायी है। महिलाओं के विकास के लिये बहुत कुछ किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर आधी आबादी की ऊर्जा विकास में नहीं लगेगी तो देश का विकास कैसे होगा। इसी तरह से अल्पसंख्यकों के विकास के लिये भी विशेष नीति बनायी गयी है। उन्होंने कहा कि अनेक कदम उठाये गये हैं इसलिये आज हर तबके के लोग आगे आये हैं। हमारी योजनाओं का लाभ सभी को मिले, इसका ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार ने सात निश्चय योजनाओं को लागू करने का निर्णय लिया। सात निश्चय योजनायें सभी के लिये हैं चाहे हर घर नल का जल हो, हर घर बिजली का कनेक्शन, हर गॉव में पक्की गली–नाली हो, यह सबों के लिये है। उन्होंने कहा कि अगले चार वर्षों के अंदर पूरे बिहार में इन योजनाओं को विकेन्द्रीकृत तरीके से लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के लिये भी प्राथमिकता तय किया गया है। वैसे वार्ड जहॉ अनुसूचित जाति की सर्वाधिक आबादी है, उसे प्राथमिकता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि हमने प्रत्येक जिले में जाकर इन योजनाओं के क्रियान्वयन को देखा है। इन योजनाओं का लाभ सभी को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले लड़कियॉ स्कूल कम जाती थी। गरीबी के कारण मॉ–बाप प्राथमिक शिक्षा के बाद लड़कियों को आगे पढ़ने के लिये नहीं भेजते थे, इसे देखते हुये बालिका पोशाक योजना की शुरूआत की गयी। इससे मध्य विद्यालयों में पढ़ने वाली लड़कियों की संख्या बढ़ गयी। उन्होंने कहा कि लड़कियों को आगे पढ़ना चाहिये, इसके लिये कक्षा 9 में पढ़ रहीं लड़कियों के लिये बालिका साइकिल योजना की शुरूआत की गयी। पहले पटना शहर में भी लड़कियों को साइकिल चलाते हुये नहीं देखा जाता था। आज गॉव–गॉव में लड़कियॉ समूह में साइकिल चलाकर स्कूल जा रही है। उन्होंने कहा कि हरेक जगह मैं इसकी चर्चा करता था ताकि लोगों की मानसिकता बदले। उन्होंने कहा कि पहले कक्षा 9 में पढ़ रही लड़कियों की संख्या एक लाख 70 हजार थी, जो आज बढ़कर नौ लाख से अधिक हो गयी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिये पंचायती राज संस्थानों एवं नगर निकायों में महिलाओं को पचास प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसके अलावा सार्वजनिक पदों पर भी महिलाओं को आरक्षण दिया गया। महिलाओं को सशक्त करने के लिये हर गॉव में स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया तथा महिलाओं को इससे जोड़ा गया। हमारा लक्ष्य दस लाख स्वयं सहायता समूह गठन करने का है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह से लोगों के बीच चेतना आ रही है। स्वयं सहायता समूह शराबबंदी में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को संगठित और जागरूक करना चाहते हैं, इसकी कोशिश की

जा रही है। टोला सेवक का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश है कि सभी लोग पढ़ें। हमने स्वयं सहायता समूह को स्कूलों को भी देखने को कहा है। स्वयं सहायता समूह स्कूलों पर निगरानी रखेगी। वे जो रिपोर्ट भेजती हैं, उस पर कार्रवाई होती है। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं में कितनी जागृति आ रही है। शिक्षा, रोजगार, बैंक की व्यवस्था के बारे में जानने लगे हैं। गया में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से वार्ता का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं द्वारा बैंक की व्यवस्था के बारे में जो बताया गया, इसे सुनकर मुझे काफी आत्म संतोष हुआ। उन्होंने कहा कि हम समाज को शिक्षित और जागृत करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कुछ लोग अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रवृति के संबंध में विवाद पैदा कर रहे हैं कि पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रवृति बंद कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि हम कोई भी छात्रवृति बंद नहीं कर रहे हैं। पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रवृति जिनको मिल रहा है, उन्हें पढ़ाई पूरी करने तक मिलेगा। उन्होंने कहा कि छात्रवृति के अलावा सात निश्चय योजनान्तर्गत स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड की भी व्यवस्था की गयी है। 12वीं कक्षा से आगे पढ़ने वाले इच्छुक छात्र–छात्राओं को चार लाख रूपये तक का स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड दिया जायेगा। इसकी पूरी गारंटी सरकार दे रही है। मूल ही नहीं सूद की राशि पर भी सरकार द्वारा गारंटी दी जा रही है। सरकार 160 प्रतिशत गारंटी दे रही है। आप सब इस योजना का लाभ उठाइये, पढ़िये और आगे बढ़िये। उन्होंने कहा कि स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड के साथ–साथ सभी छात्रवृति योजनायें जारी रहेगा। दोनों में से आप जिसका फायदा उठाना चाहते हैं, उठायें। हमारा मकसद है कि सभी तबके के बच्चे आगे पढ़ें। उन्होंने कहा कि इसके अलावा महादलित परिवार जिनके वास के लिये भूमि नहीं थी, उन्हें वास के लिये भूमि देने का काम किया गया है। हमने सर्वे कराया है, लगभग सभी को वास के लिये भूमि मिल गयी है। हमने कहा है कि अगर कुछ बच गये हैं तो उन्हें भी वास के लिये भूमि उपलब्ध कराया जाय। इसका लाभ महादलित के साथ–साथ दलित वर्ग के लोगों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि महादलित टोलों में चबुतरा एवं सामुदायिक भवन भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि हम जो काम शुरू करते हैं, उसे तार्किक परिणति तक पहुॅचाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी को लेकर भी एक समाज के लोगों को भड़काया गया था, जिनकी जीविका इस पर निर्भर है। हमे उसका भी ख्याल है। अब नीरा बिकेगा। नीरा से गुड़ भी बनता है। नीरा का गुड़ काफी स्वादिष्ट होता है। राजगीर में मंत्रिपरिषद की बैठक का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बैठक में नीरा के गुड़ से बना पेड़ा खिलाया गया, जो काफी स्वादिष्ट था। उन्होंने कहा कि नीरा को ठंडा रखने के लिये बर्तन भी देंगे। उन्होंने कहा कि आज जो आमदनी हो रही है, नीरा से यह आमदनी बढ़ जायेगी। पूर्णिया का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि वहॉ एक गॉव में आदिवासी समाज के 126 घर था, जिनकी जीविका शराब बनाने पर आश्रित थी। शराबबंदी के बाद इन सभी को सरकार की ओर से गाय दी गयी। आज सभी परिवार दूध का व्यवसाय करते हैं। आज इनके बच्चे शर्मिंदगी महसूस नहीं करते बल्कि गर्व करते हैं। मुख्यमंत्री ने सकरैचा गॉव का उदाहरण देते हुये कहा कि वहॉ पर शत्रुघ्न मॉझी द्वारा झंडोतोलन के पश्चात अपने भाषण में कहा गया था कि सरकार ने शराबबंदी कर अच्छा काम किया है। अब कम से कम हमारी आधी आबादी मरने से बच जायेगी। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से आज सबके जीवन में नया उत्साह आया है। शराब खराब चीज है। शाम को पहले कोलाहल का माहौल रहता था, हर जगह का वातावरण बिगड़ा रहता था। आज शराबबंदी के पश्चात कितनी शांति है। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा अपना अनुभव बताने के क्रम में कहा गया कि पहले उनके पति शराब पीकर घर आते थे, झगड़ा–झंझट करते थे, देखने में भी क्रूर लगते थे। शराबबंदी के बाद आज पति

शाम को मुस्कुराते हुये घर आते हैं, देखने में सुंदर लगते हैं। कितना बड़ा परिवर्तन आया है। पहले गरीब अगर दो सौ रूपये कमाता था तो उसमें से डेढ़ सौ रूपये शराब में गंवा देता था। आज उनका यह पैसा बच रहा है, इससे उनके जीवन स्तर में सुधार आ रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर शराब के खिलाफ थे। यह वर्ष राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी के चम्पारण सत्याग्रह का सौंवा साल है। हम बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर की 126वीं जयंती मना रहे हैं। इस वर्ष सिख धर्म के 10वें गुरू गोविंद सिंह जी महाराज का 350वां प्रकाश पर्व भी है। चारो तरफ सब लोग शराब के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि केरल में बिशप लोगों के संगठन ने शराबबंदी कार्यक्रम के लिये आमंत्रण दिया है। यह संगठन 18 साल से शराबबंदी में लगा हुआ है। मैं कार्यक्रम में भाग लेने के लिये केरल जा रहा हूॅ। उन्होंने कहा कि यह सब काम हुआ है। हम चाहते हैं कि समाज आगे बढ़े, उसमें एकजुटता रहे। चौकीदार–दफादार के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2014 में ही आदेश जारी कर दिया गया था कि जो चौकीदार स्वेच्छा सेवानिवृति (वी0आर0एस0) अपने सेवानिवृति के निर्धारित तिथि से एक माह पूर्व लेते हैं तो उनके आश्रित को चौकीदार पद पर नियुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम सभी तबके के भलाई एवं बेहतरी के लिये काम करते हैं। कुछ लोग भड़काने में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि समाज का जो भी तबका हाशिये पर है, उसके लिये विशेष कार्यक्रम के साथ–साथ सभी के विकास के लिये हमने काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज समाज को बॉटने की कोशिश हो रही है। असहिष्णुता का दौर चल रहा है। उन्होंने कहा कि हमें संविधान के मूल सिद्धांत को नहीं भूलना चाहिये। उससे भटककर कोई काम नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि अब बिहार में न्यायपालिका में भी अनुसूचित जाति/जनजाति को आरक्षण मिल गया है। हमने प्रोन्नति में भी आरक्षण दिया था। हाईकोर्ट का फैसला इसके खिलाफ आया है। हमारी सरकार हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गयी है। बड़ा वकील भी रखा गया है। अब सुप्रीम कोर्ट फैसला करेगी। उन्होंने कहा कि कहना आसान है, करना कठिन होता है। हमने आज तक जो कहा है, वो किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम न्याय में यकीन करते हैं। बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर के संविधान के अनुरूप चलना चाहते हैं। हम बापू के सपनों का भारत बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शराबबंदी की तरह दहेज प्रथा और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलायेंगे। उन्होंने कहा कि आज संकल्प लीजिये कि अगर कोई दहेज लेकर विवाह करता है तो उसके विवाह में मत जाइये। बाल विवाह पर सचेत हो जाइये। कुपोषण का मुख्य कारण बाल विवाह है। उन्होंने कहा कि बिहार शराबबंदी से नशामुक्ति की ओर बढ़ रहा है, इसके लिये मानव श्रृंखला बनायी गयी थी, जिसमें चार करोड़ से अधिक लोग शामिल हुये थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर का नारा हमें अपनाना चाहिये। शिक्षित बनो, संगठित हो और संघर्ष करो।

आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंट किया गया। मंच पर कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्यमंत्री को फुलों का बड़ा माला पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष महादलित प्रकोष्ठ जदयू डॉ0 हुलेश मॉझी, नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री महेश्वर हजारी, अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण मंत्री श्री संतोष कुमारा निराला, बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री उदय नारायण चौधरी, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री श्याम रजक, विधायक श्री रमेश ऋषिदेव, विधायक श्री शशिभूषण हजारी, विधायक श्री रवि ज्योति, विधायक श्री प्रभुनाथ राम, विधायक श्रीमती बीमा भारती, विधायक श्री मनीष कुमार, विधान पार्षद श्री संजय सिंह उर्फ गॉधी जी, विधान पार्षद श्री राम लषण राम रमण, पूर्व विधायक श्री अरूण मॉझी, पूर्व विधायक श्रीमती मंजू देवी, पूर्व विधायक श्री श्याम

बिहारी राम, प्रदेश अध्यक्ष आदिवासी प्रकोष्ठ श्री राधा कृष्ण उर्फ झुलन गौड़, पूर्व अध्यक्ष राज्य अनुसूचित जाति आयोग श्री विद्यानंद विकल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******